राष्ट्रसंत तुकड़ोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय

नई शिक्षा नीति 2020 के अनुसार

बी.ए सेमेस्टर-III(CBCS)

अनिवार्य हिन्दी का पाठ्यक्रम

पाठ्य पुस्तक- साहित्य कुसुम
शैक्षणिक सत्र २०२२ -२०२३ से प्रस्तावित

उद्देश्य

- अनिवार्य हिन्दी के प्रति विद्यार्थियों में रुचि निर्माण करना।
- अनिवार्य हिन्दी की गद्य एवं पद्य विधाओं की जानकारी प्रदान करना।
- भक्तिकालीन संतो की वाणी में उपलब्ध शिक्षा ज्ञान को विद्यार्थियों को प्रदान करना।
- समाचार लेखन विज्ञापन लेखन जैसे रोजगारोन्मुख क्षेत्र में विद्यार्थियों को पारंगत करना।
- आधुनिक काल के काव्य से विद्यार्थियों को परिचित करना।

पाठ्यक्रम प्रतिफलन

- अनिवार्य हिन्दी के प्रति विद्यार्थियों में रुचि निर्माण होगी।
- अनिवार्य हिन्दी की गद्य एवं पद्य विधाओं की जानकारी विद्यार्थियों को प्राप्त होगी।
- भक्तिकालीन संतो की वाणी में उपलब्ध शिक्षा एवं ज्ञान की जानकारी विद्यार्थियों को प्राप्त होगी।
- समाचार लेखन विज्ञापन लेखन जैसे रोजगारोन्मुख क्षेत्र में विद्यार्थी निपुण होंगे।
- विद्यार्थियों को आधुनिक काल की जानकारी प्राप्त होगी।

इकाई १ गद्य विभाग

१.मानस की धर्मभूमि (निबंध) – आ.रामचंद्र शुक्ल

२. गुण्डा (कहानी)- जयशंकर प्रसाद

३.शान्तिनिकेतन में (यात्रा साहित्य)- राहुल सांकृत्यायन

४.कलिंग विजय (एकांकी)-जगदीशचन्द्र माथुर

इकाई २ पद्य विभाग

१.कबीर (साखी)-कबीरदास

२.सूरदास (पद) –सूरदास

३.हिमान्द्री तुंग श्रृंग से –जयशंकर प्रसाद

४. पुष्प की अभिलाषा-माखनलाल चतुर्वेदी

इकाई ३ अन्य पाठ्य सामग्री

अ. समाचार लेखन-अर्थ,परिभाषा,स्वरुप,महत्त्व,प्रकार और भाषा

ब. विज्ञापन लेखन- अर्थ,परिभाषा,स्वरुप,महत्त्व,प्रकार और भाषा

इकाई ४ द्रुत वाचन

अ. निम्नलिखित रचनाकारों का सामान्य परिचय

१.शिवमंगल सिंह 'सुमन'

२ मनोहर श्याम जोशी

३.रवीन्द्र कालिया

४.चित्रा मुदगल

ब. निम्नलिखित रचनाओं का सामान्य परिचय

१. रामप्रसाद विस्मिल की आत्मकथा(आत्मकथा)- रामप्रसाद विस्मिल

२. कदम मिलाकर चलना होगा(कविता)- अटल विहारी वाजपेयी

३. महाभारत की एक सांझ (एकांकी)-भारतभूषण अग्रवाल

४. वापसी(कहानी)- उषा प्रियंवदा

राष्ट्रसंत तुकड़ोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय

नई शिक्षा नीति 2020 के अनुसार

बी.ए सेमेस्टर-IV(CBCS)

अनिवार्य हिन्दी का पाठ्यक्रम

पाठ्य पुस्तक- साहित्य कुसुम
शैक्षणिक सत्र २०२२ -२०२३ से प्रस्तावित

उद्देश्य

- अनिवार्य हिन्दी के प्रति विद्यार्थियों में रुचि निर्माण करना।
- अनिवार्य हिन्दी की गद्य एवं पद्य विधाओं की जानकारी प्रदान करना।
- भक्तिकालीन संतो की वाणी में उपलब्ध शिक्षा ज्ञान को विद्यार्थियों को प्रदान करना।
- संविधान में हिन्दी के महत्व की जानकारी से अवगत कराना।
- मुहावरे एवं लोकोक्तियों के महत्व से विद्यार्थियों को अवगत कराना।
- आधुनिक काल के काव्य से विद्यार्थियों को परिचित करना।

पाठ्यक्रम प्रतिफलन

- अनिवार्य हिन्दी के प्रति विद्यार्थियों में रुचि निर्माण होगी।
- अनिवार्य हिन्दी की गद्य एवं पद्य विधाओं की जानकारी विद्यार्थियों को प्राप्त होगी।
- भक्तिकालीन संतो की वाणी में उपलब्ध शिक्षा एवं ज्ञान की जानकारी विद्यार्थियों को प्राप्त होगी।
- संविधान में हिन्दी के महत्व की जानकारी से विद्यार्थी अवगत होंगे।
- मुहावरे एवं लोकोक्तियों के प्रयोग की जानकारी विद्यार्थियों को प्राप्त होगी।
- विद्यार्थियों को आधुनिक काल की जानकारी प्राप्त होगी।

इकाई १ गद्य विभाग

१. आचरण की सभ्यता (निबंध) – सरदार पूर्णसिंह
२. चीफ की दावत (कहानी)- भीष्म साहनी
३. जीप पर सवार इल्लियाँ (व्यंग्य)- शरद जोशी
४. उसने कहा था (कहानी)-चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी'

इकाई २ पद्य विभाग

१. तुलसी (पद) – तुलसीदास
२. बिहारी (दोहे) – बिहारी

३. हिरोशिमा–अज्ञेय

४. वीर सावरकर –कुमार हरीश

इकाई ३ अन्य पाठ्य सामग्री

अ. संविधान में हिन्दी

ब. मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ (कहावतें)

इकाई ४ द्रुत वाचन

आ. निम्नलिखित रचनाकारों का सामान्य परिचय

१. नामवर सिंह

२. स्वदेश भारती

३. ममता कालिया

४. राजेश जोशी

ब. निम्नलिखित रचनाओं का सामान्य परिचय

१. युवकों का समाज में स्थान (निबंध)- आचार्य नरेन्द्र देव

२.जहाँ लक्ष्मी कैद है (कहानी)- राजेन्द्र यादव

३.विकलांग श्रध्दा का दौर(व्यंग्य)- हरिशंकर परसाई

४. जागो फिर एक बार (कविता)-सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला

बी.ए सेमेस्टर-III

अनिवार्य हिन्दी(CBCS)

नई शिक्षा नीति 2020 के अनुसार

प्रश्न का प्रारूप एवं अंक विभाजन

शैक्षणिक सत्र २०२२ -२०२३ से प्रस्तावित

प्रश्न १ प्रथम इकाई से दो प्रश्न पूछे जायेंगे,जिनमें से एक का उत्तर लिखना अनिवार्य हैं.
१X१६=१६

प्रश्न २ द्वितीय इकाई से दो प्रश्न पूछे जायेंगे,जिनमें से एक का उत्तर लिखना अनिवार्य हैं.
१X१६=१६

प्रश्न ३ यह प्रश्न तीसरी इकाई के पूछा जायगा.

'अ' समाचार लेखन से तीन प्रश्न पूछे जायेंगे, जिसमें से किसी दो प्रश्न के उत्तर लिखना अनिवार्य हैं. २X४=८

'ब' विज्ञापन लेखन से तीन प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से किन्ही दो का उत्तर लिखना अनिवार्य हैं. २X४= ८

प्रश्न ४ यह प्रश्न चौथी इकाई से पूछा जायगा.

'अ' के अंतर्गत किसी तीन रचनाकारों का सामान्य परिचय पूछा जायेगा, जिनमें से किन्ही दो का उत्तर लिखना अनिवार्य हैं.

२X४=८

'ब' के अंतर्गत किसी तीन रचनाओं पर सामान्य प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से किन्ही दो का उत्तर लिखना अनिवार्य हैं.

२X४=८

प्रश्न ५ प्रत्येक इकाई पर एक-एक प्रश्न पूछा जायगा.
४X४=१६

टीप:

१. प्रश्न पत्र ८० अंकों का होगा.

२. २० अंक आन्तरिक मूल्यांकन के होंगे.(आतंरिक मूल्यांकन के अंक विद्यार्थी की उपस्थिति, गृहकार्य, मौखिकी एवं समग्र व्यवहार पर निर्धारित होंगे.)

३. परीक्षार्थी को लिखित (Theory) एवं आतंरिक मूल्यांकन दोनों में एकत्रित (Combined) ४० % अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा.

बी.ए सेमेस्टर-IV
अनिवार्य हिन्दी(CBCS
नई शिक्षा नीति 2020 के अनुसार
प्रश्न का प्रारूप एवं अंक विभाजन
शैक्षणिक सत्र २०२२ -२०२३ से प्रस्तावित

प्रश्न १ प्रथम इकाई से दो प्रश्न पूछे जायेंगे,जिनमें से एक का उत्तर लिखना अनिवार्य हैं. १X१६=१६

प्रश्न २ द्वितीय इकाई से दो प्रश्न पूछे जायेंगे,जिनमें से एक का उत्तर लिखना अनिवार्य हैं. १X१६=१६

प्रश्न ३ यह प्रश्न तीसरी इकाई के पूछा जायगा.

'अ' संविधान में हिन्दी से तीन प्रश्न पूछे जायेंगे, जिसमें से किसी दो प्रश्न के उत्तर लिखना अनिवार्य हैं. २X४=८

'ब' मुहावरे एवं कहावतें पर सात प्रश्न पूछे जायेंगे जिसमें में से किन्ही पांच के अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग करना अनिवार्य हैं.

२X४=८

प्रश्न ४ यह प्रश्न चौथी इकाई के पूछा जायगा.

'अ' के अंतर्गत किसी तीन रचनाकारों का सामान्य परिचय पूछा जायेगा, जिनमें से किन्ही दो का उत्तर लिखना अनिवार्य हैं.

२X४=८

'ब' के अंतर्गत किसी तीन रचनाओं पर सामान्य प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से किन्ही दो का उत्तर लिखना अनिवार्य हैं.

२X४=८

प्रश्न ५ प्रत्येक इकाई पर एक-एक प्रश्न पूछा जायगा.

४X४=१६

टीप:

१. प्रश्न पत्र ८० अंकों का होगा.
२. २० अंक आन्तरिक मूल्यांकन के होंगे.(आतंरिक मूल्यांकन के अंक विद्यार्थी की उपस्थिति, गृहकार्य, मौखिकी एवं समग्र व्यवहार पर निर्धारित होंगे.)
३. परीक्षार्थी को लिखित (Theory) एवं आतंरिक मूल्यांकन दोनों में एकत्रित (Combined) ४० % अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा.

नई शिक्षा नीति 2020 के अनुसार प्रस्तावित

बी.ए सेमेस्टर-III

हिन्दी साहित्य (CBCS)

पाठ्य पुस्तक- साहित्य शिखर

शैक्षणिक सत्र २०२२ - २०२३ से प्रस्तावित

उद्देश्य

- विद्यार्थियों में साहित्य के प्रति रुचि निर्माण करना।
- उपन्यास विधा के माध्यम से विद्यार्थियों में पठन पाठन की प्रवृत्ति का निर्माण करना।
- हिन्दी साहित्य के काल विभाजन की जानकारी उपलब्ध कराना।
- हिन्दी साहित्य में भक्ति के उद्भव एवं विकास की जानकारी देकर विद्यार्थियों को साहित्य के इतिहास से अवगत कराना।
- काव्यशास्त्र के अंतर्गत रस एवं अलंकार के महत्व की जानकारी विद्यार्थियों को देना।

पाठ्यक्रम प्रतिफलन

- विद्यार्थियों में साहित्य के प्रति रुचि निर्माण होगी।
- उपन्यास विधा के माध्यम से विद्यार्थियों में पठन पाठन की प्रवृत्ति का निर्माण होगा।
- विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य के काल विभाजन की जानकारी प्राप्त होगी।
- विद्यार्थियो को हिन्दी साहित्य में भक्ति के उद्भव एवं विकास की जानकारी प्राप्त होगी तथा वे साहित्य के इतिहास से परिचित होंगे।
- काव्यशास्त्र के अंतर्गत रस एवं अलंकार के महत्व की जानकारी विद्यार्थियों को प्राप्त होगी।

इकाई १ एवं २

चित्रलेखा (उपन्यास)- भगवतीचरण वर्मा, राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली

इकाई ३ हिन्दी साहित्य का इतिहास(मध्यकाल)

भक्तिकाल: नामकरण, वर्गीकरण,भक्ति का उदय और विकास

संत साहित्य: सामान्य प्रवृत्तियां तथा प्रमुख कवि

सूफी साहित्य का उद्भव, विकास, सामान्य प्रवृत्तियां एवं प्रमुख कवि
राम भक्ति शाखा का उद्भव, विकास, विशेषताएं एवं प्रमुख कवि
कृष्ण भक्ति शाखा का उद्भव, विकास, विशेषताएं एवं प्रमुख कवि

इकाई ४

१.रस- अर्थ,परिभाषा,प्रकार एवं अवयव
२.अलंकार- शब्द अलंकार- अनुप्रास,यमक,श्लेष एवं वक्रोक्ति
अर्थालंकार- उपमा,रूपक ,उत्प्रेक्षा,अतिशयोक्ति
३.शब्द शक्ति- अभिधा,लक्षणा,व्यंजना
४.काव्य गुण- माधुर्य,ओज,प्रसाद
५.काव्य दोष – अक्रमत्व,अप्रतीतत्व,ग्राम्यत्व

सन्दर्भ ग्रन्थ

१. हिन्दी साहित्य का इतिहास-आचार्य रामचंद्र शुक्ल
२. हिन्दी साहित्य का इतिहास –सं.डॉ.नगेन्द्र
३. हिन्दी साहित्य युग और प्रवृत्तियाँ –डॉ.शिवकुमार शर्मा
४. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास-डॉ रामकुमार वर्मा
५. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र-डॉ.गणपतिचन्द्र गुप्त
६. भारतीय काव्यशास्त्र- डॉ .योगेन्द्रप्रताप सिंह
७. काव्यशास्त्र- डॉ.भागीरत मिश्र
८. षट्कवि:विवेचनात्मक अध्ययन खंड १,२- डॉ.ओमप्रकाश शर्मा

राष्ट्रसंत तुकड़ोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय

नई शिक्षा नीति 2020 के अनुसार

बी.ए सेमेस्टर-IV हिन्दी साहित्य (CBCS)

हिन्दी साहित्य का पाठ्यक्रम

पाठ्य पुस्तक- साहित्य शिखर

शैक्षणिक सत्र २०२२ - २०२३ से प्रस्तावित

उद्देश्य –

- साहित्य के प्रति विद्यार्थियों में रुचि निर्माण करना।
- विद्यार्थियों को संत साहित्य की महत्ता से परिचित करना।
- साहित्य में मध्यकाल के महत्वपूर्ण योगदान की जानकारी विद्यार्थियों को देना।
- सूफी साहित्य के उद्भव एवं विकास से विद्यार्थियों को अवगत करना।
- हिन्दी साहित्य के इतिहास को समझने की प्रवृत्ति का विकास करना।

पाठ्यक्रम प्रतिफलन

- साहित्य के प्रति विद्यार्थियों में रुचि निर्माण होगी।
- विद्यार्थियों को संत साहित्य की महत्ता का परिचय प्राप्त होगा।
- साहित्य में मध्यकाल के महत्वपूर्ण योगदान की जानकारी विद्यार्थियों को होगी।
- सूफी साहित्य के उद्भव एवं विकास से विद्यार्थियों अवगत होंगे।
- हिन्दी साहित्य के इतिहास को समझने की प्रवृत्ति का विकास होगा।

इकाई १

कवीरदास

जायसी

इकाई २

तुलसीदास

सूरदास

इकाई ३

बिहारी

रहीम

इकाई ४ द्रुत वाचन- इसके अंतर्गत निम्नलिखित रचनाकारों का संक्षिप्त परिचय अपेक्षित है.

संत नामदेव, रैदास, नानक देव,मीराबाई, रसखान, केशवदास, घनानंद,भूषण

बी.ए सेमेस्टर-III

हिन्दी साहित्य(CBCS)

प्रश्न का प्रारूप एवं अंक विभाजन

शैक्षणिक सत्र २०२२ -२०२३ से प्रस्तावित

प्रश्न १ चित्रलेखा उपन्यास पर आधारित दो प्रश्न पूछे जायेंगे,जिनमें से एक का उत्तर लिखना अनिवार्य हैं. १X१६=१६

प्रश्न २ चित्रलेखा उपन्यास पर आधारित दो प्रश्न पूछे जायेंगे,जिनमें से एक का उत्तर लिखना अनिवार्य हैं. १X१६=१६

प्रश्न ३ यह प्रश्न तीसरी इकाई के पूछा जायगा.जिसमें छह प्रश्न पूछे जायेंगे,उनमें से चार का उत्तर लिखना अनिवार्य हैं.

४X४=१६

प्रश्न ४ यह प्रश्न चौथी इकाई के पूछा जायगा. जिसमें छह प्रश्न पूछे जायेंगे,उनमें से चार का उत्तर लिखना अनिवार्य हैं.

४X४=१६

प्रश्न ५ प्रत्येक इकाई पर एक-एक प्रश्न पूछा जायगा.

४X४=१६

टीप:

१. प्रश्न पत्र ८० अंकों का होगा.
२. २० अंक आन्तरिक मूल्यांकन के होंगे.(आतंरिक मूल्यांकन के अंक विद्यार्थी की उपस्थिति, गृहकार्य, मौखिकी एवं समग्र व्यवहार पर निर्धारित होंगे.)
३. परीक्षार्थी को लिखित (Theory) एवं आतंरिक मूल्यांकन दोनों में एकत्रित (Combined) ४० % अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा.

बी.ए सेमेस्टर-IV

हिन्दी साहित्य(CBCS)

प्रश्न का प्रारूप एवं अंक विभाजन

शैक्षणिक सत्र २०२२ -२०२३ से प्रस्तावित

प्रश्न १ प्रथम इकाई से दो प्रश्न पूछे जायेंगे,जिनमें से एक का उत्तर लिखना अनिवार्य हैं.
१X१६=१६

प्रश्न २ द्वितीय इकाई से दो प्रश्न पूछे जायेंगे,जिनमें से एक का उत्तर लिखना अनिवार्य हैं.
१X१६=१६

प्रश्न ३ तीसरी इकाई से दो प्रश्न पूछे जायेंगे,जिनमें से एक का उत्तर लिखना अनिवार्य हैं.
१X१६=१६

प्रश्न ४ यह प्रश्न चौथी इकाई के पूछा जायगा. जिसमें छह प्रश्न पूछे जायेंगे,उनमें से चार का उत्तर लिखना अनिवार्य हैं.

४X४=१६

प्रश्न ५ प्रत्येक इकाई पर एक-एक प्रश्न पूछा जायगा.
४X४=१६

टीप:

१. प्रश्न पत्र ८० अंकों का होगा.
२. २० अंक आन्तरिक मूल्यांकन के होंगे.(आतंरिक मूल्यांकन के अंक विद्यार्थी की उपस्थिति, गृहकार्य, मौखिकी एवं समग्र व्यवहार पर निर्धारित होंगे.)
३. परीक्षार्थी को लिखित (Theory) एवं आतंरिक मूल्यांकन दोनों में एकत्रित (Combined) ४० % अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा.

राष्ट्रसंत तुकड़ोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय,नागपुर महाराष्ट्र

बी ए सेमेस्टर – पाँच [CBCS]

हिन्दी साहित्य निर्धारित पाठ्यक्रम

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अनुसार

शैक्षणीक सत्र 2023-24 से प्रस्तावित

पाठ्यपुस्तक- साहित्य वैभव

उद्देश्य-

- हिन्दी साहित्य के इतिहास का ज्ञान कराना।
- साहित्य की विविध विधाओं [निबंध,कहानी,संस्मरण,व्यंग्य इत्यादि] का सामान्य परिचय करना।
- हिन्दी की साहित्यिक विधाओं के क्रमिक विकास से विद्यार्थियों को अवगत कराना।
- आधुनिक हिन्दी कविता के सामाजिक संदर्भों को समझना।
- सामाजिक विकास के क्रम में साहित्य के जरिए समाज और संस्कृति की पहचान के लिए साहित्येतिहास के अध्ययन को महत्व देना।

पाठ्यक्रम परिणाम –

- इस पाठ्यक्रम की सहायता से हिन्दी साहित्य के विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य के इतिहास का ज्ञान प्राप्त होगा।
- साहित्य की विविध विधाओं [निबंध,कहानी,संस्मरण,व्यंग्य इत्यादि] का सामान्य परिचय प्राप्त होगा।
- हिन्दी की साहित्यिक विधाओं के क्रमिक विकास से विद्यार्थी अवगत होंगे।
- आधुनिक हिन्दी कविता के सामाजिक संदर्भों को समझने में विद्यार्थी अवगत होंगे।
- सामाजिक विकास के क्रम में साहित्य के जरिए समाज और संस्कृति की पहचान के लिए हिन्दी साहित्य के अध्ययन को महत्व मिलेगा।

इकाई-1- जयशंकर प्रसाद- इडा सर्ग [कामायनी]

सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'- जुही की कली, विधवा, भिक्षुक, रानी की कानी

इकाई 2- रामचन्द्र शुक्ल- क्रोध

हजारीप्रसाद द्विवेदी- अशोक के फूल

नरेंद्र देव- समष्टि और व्यक्ति

इकाई 3- हिन्दी साहित्य का इतिहास-

आधुनिक काल- भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग,छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता,साठोत्तरी कविता

इकाई 4- निम्नलिखित रचनाओं का संक्षिप्त परिचय लिखिए-

बावरा अहेरी [अज्ञेय], मुझे कुछ और करना था [रघुवीर सहाय], जेल जीवन की झलक [गणेश शंकर विद्यार्थी] ईफेल टावर की छाया में [रामवृक्ष बेनीपुरी] बेचारा भला आदमी [हरिशंकर परसाई]

प्रश्नपत्र का प्रारूप एवं अंक विभाजन –

प्रश्न 1– प्रथम इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमे से एक का उत्तर लिखना होगा।
1x20=20

प्रश्न 2– द्वितीय इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिसमे से एक का उत्तर लिखना होगा। 1x20=20

प्रश्न 3– यह प्रश्न तीसरी इकाई से होगा इसमे चार प्रश्न पूछे जिनमे से दो का उत्तर लिखना होगा

2x10=20

इकाई 4– यह प्रश्न चौथी इकाई से पूछा जाएगा जिसमे पाँच प्रश्न पूछे जाएंगे, किन्ही चार का उत्तर लिखना होगा।
4x5=20

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत 20 अंक होंगे, [उपस्थिती, गृहकार्य, मौखिकी एवं समग्र व्यवहार के आधार पर।]

परीक्षार्थी को लिखित [THEORY] एवं आंतरिक मूल्यांकन दोनों में एकत्रित [COMBINED] 40% अंक प्राप्त करना अनिवार्य है।

राष्ट्रसंत तुकड़ोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर महाराष्ट्र

बी ए सेमेस्टर – छह [CBCS]

हिन्दी साहित्य निर्धारित पाठ्यक्रम

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अनुसार

शिक्षणीक सत्र 2023-24 से प्रस्तावित

पाठ्यपुस्तक– साहित्य वैभव

उद्देश्य–

- हिन्दी साहित्य के इतिहास का ज्ञान कराना।
- साहित्य की विविध विधाओं [निबंध,कहानी,संस्मरण,व्यंग्य इत्यादि] का सामान्य परिचय करना।
- हिन्दी की साहित्यिक विधाओं के क्रमिक विकास से विद्यार्थियों को अवगत कराना।
- आधुनिक हिन्दी कविता के सामाजिक संदर्भों को समझना।
- सामाजिक विकास के क्रम में साहित्य के जरिए समाज और संस्कृति की पहचान के लिए साहित्येतिहास के अध्ययन को महत्व देना।

पाठ्यक्रम परिणाम –

- इस पाठ्यक्रम की सहायता से हिन्दी साहित्य के विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य के इतिहास का ज्ञान प्राप्त होगा।
- साहित्य की विविध विधाओं [निबंध,कहानी,संस्मरण,व्यंग्य इत्यादि] का सामान्य परिचय प्राप्त होगा।
- हिन्दी की साहित्यिक विधाओं के क्रमिक विकास से विद्यार्थी अवगत होंगे।
- आधुनिक हिन्दी कविता के सामाजिक संदर्भों को समझने में विद्यार्थी अवगत होंगे।
- सामाजिक विकास के क्रम में साहित्य के जरिए समाज और संस्कृति की पहचान के लिए हिन्दी साहित्य के अध्ययन को महत्व मिलेगा।

इकाई 1 – गजानन माधव मुक्तिबोध- ब्रह्मराक्षस

भवानीप्रसाद मिश्र- कवि, सतपुड़ा के जंगल, हवा ऐसी थी

इकाई 2 – विद्यानिवास मिश्र – अंधी जनता और लंगड़ा जनतंत्र

अमृतलाल नागर – लंगूर का बच्चा

कमलेश्वर – भरेपूरे अधूरे

इकाई 3 – हिन्दी साहित्य का इतिहास – आधुनिक काल

हिन्दी साहित्य की विधाओं का क्रमिक विकास – उपन्यास, कहानी, निबंध, नाटक, एकाँकी, आलोचना

इकाई 4 – निम्नलिखित रचनाओं का संक्षिप्त परिचय लिखिए-

कवि कुंभन्दास के प्रति [केदारनाथ सिंह] छायाएँ [नरेश सक्सेना] हिंगवाला [सुभद्रकुमारी चौहान] कछुआ धर्म [चंद्रधर शर्मा गुलेरी] नैन नैनीताल की छवि में पगे [विष्णुकांत शास्त्री]

प्रश्नपत्र का प्रारूप एवं अंक विभाजन

प्रश्न 1- प्रथम इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमे से एक का उत्तर लिखना होगा। 1x20=20

प्रश्न 2- द्वितीय इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिसमे से एक का उत्तर लिखना होगा। 1x20=20

प्रश्न 3- यह प्रश्न तीसरी इकाई से होगा इसमे चार प्रश्न पूछे जिनमे से दो का उत्तर लिखना होगा 2x10=20

इकाई 4- यह प्रश्न चौथी इकाई से पूछा जाएगा जिसमे पाँच प्रश्न पूछे जाएंगे, किन्ही चार का उत्तर लिखना होगा।
4x5=20

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत 20 अंक होंगे, [उपस्थिती, गृहकार्य, मौखिकी एवं समग्र व्यवहार के आधार पर।]

परीक्षार्थी को लिखित [THEORY] एवं आंतरिक मूल्यांकन दोनों में एकत्रित [COMBINED] 40% अंक प्राप्त करना अनिवार्य है।

राष्ट्रसंत तुकड़ोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर महाराष्ट्र

बी ए सेमेस्टर – पाँच [CBCS]

अनिवार्य हिन्दी निर्धारित पाठ्यक्रम

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अनुसार

शैक्षणिक सत्र 2023-24 से प्रस्तावित

पाठ्यपुस्तक- साहित्य मंजिरी

उद्देश्य-

- विद्यार्थियों में उपन्यास विधा की समझ का निर्माण करना। उपन्यास विधा के विविध प्रकारों की जानकारी विद्यार्थियों को देना।
- विद्यार्थियों में इलेक्ट्रोनिक माध्यमों के उपयोग के लिए हिन्दी के उपयोग के लिए प्रेरित करना।
- इन्टरनेट और कंप्यूटर के क्षेत्र में हिन्दी प्रयोग की जानकारी देना।
- हिन्दी के कार्यालयीन उपयोगिता की जानकारी प्रदान करना।
- अनुवाद की सैद्धांतिक और व्यावहारिक जानकारी प्रदान करना।
- हिन्दी की रोजगारपरक क्षमता की जानकारी देना।

पाठ्यक्रम परिणाम-

- हिन्दी विषय के अध्ययन से विद्यार्थियों में भाषा की समझ निर्माण होगी।
- हिन्दी की विविध विधाओं उपन्यास आदि की जानकारी विद्यार्थियों को प्राप्त होगी।
- इन्टरनेट और कंप्यूटर के क्षेत्र में हिन्दी के प्रयोग की जानकारी विद्यार्थियों को प्राप्त होगी।

- कार्यालयीन व्यवहार में हिन्दी का उपयोग कैसे किया जाता है इसकी जानकारी विद्यार्थियों को हासिल होगी।
- विद्यार्थियों को अनुवाद की सैद्धांतिक और व्यावहारिक जानकारी प्राप्त होगी।

हिन्दी की रोजगारपरक क्षमता से विद्यार्थी अवगत होंगे।

पाठ्य पुस्तक- साहित्य मंजिरी

इकाई 1- किसी भी एक विषय पर लगभग 400 शब्दों में निबंध लेखन।

इकाई II- मानव सभ्यता [निबंध] - पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी

कष्टों से भागना कायरता है [सुखदेव के नाम पत्र]- भगतसिंह

दुर्मुख [रेखाचित्र] - महादेवी वर्मा

बबूल और कैक्टस [ललित निबंध]- रामदरश मिश्र

इकाई III- अनुवाद- अर्थ, परिभाषा एवं प्रकार

अनुवाद का महत्व, अनुवादक के गुण, कुशल अनुवादक की विशेषताएं

कंप्यूटर- परिचय, प्रमुख अवयव, उपयोगिता, हिन्दी भाषा और कंप्यूटर

इंटरनेट का सामान्य परिचय एवं उपयोगिता

इकाई IV- निम्नलिखित रचनाओं का सामान्य परिचय

चंपा काले अक्षर नहीं चीन्हती [कविता- त्रिलोचन], अतीतग्रस्तता और इतिहास बोध [लेख- लालबहादुर शास्त्री], राखी का मूल्य [एकाँकी- हरिकृष्ण प्रेमी], अखबार में नाम [कहानी- यशपाल]

बी ए सेमेस्टर 5 [अनिवार्य हिन्दी]

प्रश्नपत्र का प्रारूप एवं अंक विभाजन-

प्रश 1- प्रथम इकाई से चार विषय दिए जाएंगे, जिनमे से किसी एक पर निबंध लिखना होगा।

1x20=20

प्रश्न 2- द्वितीय इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमे से एक का उत्तर लिखना होगा। 1x20=20

प्रश्न 3- तृतीय इकाई से चार प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से किसी दो का उत्तर लिखना होगा। 2x10=20

प्रश्न 4- चतुर्थ इकाई से चार प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमे से किसी दो का उत्तर लिखना होगा। 2x10=20

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत 20 अंक होंगे, [उपस्थिती, गृहकार्य, मौखिकी एवं समग्र व्यवहार के आधार पर।]

परीक्षार्थी को लिखित [THEORY] एवं आंतरिक मूल्यांकन दोनों में एकत्रित [COMBINED] 40% अंक प्राप्त करना अनिवार्य है।

राष्ट्रसंत तुकड़ोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय,नागपुर महाराष्ट्र

बी ए सेमेस्टर - छह [CBCS]

अनिवार्य हिन्दी निर्धारित पाठ्यक्रम

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अनुसार

शिक्षणीक सत्र 2023-24 से प्रस्तावित

पाठ्यपुस्तक- साहित्य मंजिरी

उद्देश्य-

- विद्यार्थियों में कौशलपरक हिन्दी की समझ निर्माण करना।
- हिन्दी की उपन्यास विधा के प्रति विद्यार्थियों में रुझान निर्माण करना।
- हिन्दी में निबंधात्मक लेखन शैली का विकास करना।
- हिन्दी में रोजगार की संभावनाओं के प्रति जागरूकता निर्माण करना।
- हिन्दी में कंप्यूटर तथा अनुवाद की उपयोगिता की जानकारी देना।
- हिन्दी के गद्य तथा पद्य साहित्य के प्रति रुचि निर्माण करना।

पाठ्यक्रम परिणाम-

- हिन्दी विषय के अध्ययन से विद्यार्थियों में भाषा की समझ निर्माण होगी।
- हिन्दी की विविध विधाओं उपन्यास आदि की जानकारी विद्यार्थियों को प्राप्त होगी।
- इन्टरनेट और कंप्यूटर के क्षेत्र में हिन्दी के प्रयोग की जानकारी विद्यार्थियों को प्राप्त होगी।
- कार्यालयीन व्यवहार में हिन्दी का उपयोग कैसे किया जाता है इसकी जानकारी विद्यार्थियों को हासिल होगी।
- विद्यार्थियों को अनुवाद की सैद्धांतिक और व्यावहारिक जानकारी प्राप्त होगी।

हिन्दी की रोजगारपरक क्षमता से विद्यार्थी अवगत होंगे।

पाठ्य पुस्तक- साहित्य मंजिरी

इकाई I एवं II - सूरज का सातवाँ घोड़ा [उपन्यास] - धर्मवीर भारती

इकाई III - दीपदान [एकाँकी] - रामकुमार वर्मा

भाषा और समाज [निबंध] - अज्ञेय

प्रायश्चित [कहानी] - भगवतीचरण वर्मा

पगला बाबा [कहानी] - गोविंद मिश्र

इकाई IV - निम्नलिखित रचनाओं का सामान्य परिचय

अकाल और उसके बाद [कविता- नागार्जुन] ,सुख [कहानी- काशीनाथ सिंह], चोरी और प्रायश्चित [आत्मकथा- महात्मा गांधी], सीमारेखा [एकाँकी] - विष्णु प्रभाकर

प्रश्नपत्र का प्रारूप एवं अंक विभाजन

प्रश्न 1- उपन्यास सूरज का सातवाँ घोडा' से दो प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमे से एक का उत्तर लिखना होगा। 1x20=20

प्रश्न 2- उपन्यास सूरज का सातवाँ घोडा' से दो प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमे से एक का उत्तर लिखना होगा। 1x20=20

प्रश्न 3- यह प्रश्न तीसरी इकाई से होगा इसमे चार प्रश्न पूछे जिनमे से दो का उत्तर लिखना होगा। 2x10=20

प्रश्न 4- चतुर्थ इकाई से चार प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमे से किसी दो का उत्तर लिखना होगा। 2x10=20

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत 20 अंक होंगे, [उपस्थिती, गृहकार्य, मौखिकी एवं समग्र व्यवहार के आधार पर।]

परीक्षार्थी को लिखित [THEORY] एवं आंतरिक मूल्यांकन दोनों में एकत्रित [COMBINED] 40% अंक प्राप्त करना अनिवार्य है।